https://www.nationalduniya.org/country/government-to-set-up-global-market-%27intelligence-network%27-to-boost-exports-from-msme-sector

सरकार एमएसएमई क्षेत्र से निर्यात को बढ़ावा देने को वैश्विक बाजार 'इंटेलिजेंस नेटवर्क' स्थापित करेगी

नयी दिल्ली: केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने मंगलवार को कहा कि सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र से देश का निर्यात बढ़ाने के लिये वैश्विक बाजार आसूचना नेटवर्क (इंटेलिजेंस नेटवर्क) स्थापित कर रही है।

वैश्विक बाजार 'आसूचना नेटवर्क' विदेशी बाजारों पर निर्यात से संबंधित आंकड़ों के मामले में ज्ञान के भंडार के रूप में कार्य करेगा और एमएसएमई निर्यातकों के लिये आसान बाजार पहुंच की सुविधा प्रदान करेगा।

एमएसएमई मंत्रालय और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम मंत्री राणे ने कहा कि सरकार एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत बनाने को लेकर गंभीर है।

उन्होंने कहा, ‘‘हमारा ध्यान आसान ऋण, बेहतर प्रौद्योगिकी सहायता और निर्यात बाजारों तक पहुंच प्रदान करने पर है। हम चाहते हैं कि हमारा एमएसएमई क्षेत्र प्रतिस्पर्धी बने और विकसित हो।’’ राणे ने कहा कि एमएसएमई मंत्रालय एक वैश्विक बाजार ‘इंटेलिजेंस नेटवर्क’ स्थापित कर रहा है जो एमएसएमई निर्यात में मदद करेगा।

एक अनुमान के अनुसार, देश का एमएसएमई क्षेत्र निर्यात में 45 प्रतिशत योगदान करता है। इस खंड से निर्यात बढ़ाने की काफी संभावना हे।

हालांकि, व्यापार से संबंधित भरोसेमंद आंकड़ों की कमी प्रमुख बाधा है। इससे एमएसएमई क्षेत्र नये बाजार में अवसरों का उपयोग कर वास्तविक निर्यात क्षमता का उपयोग नहीं कर पा रहा।

मंत्री ने सभी संबंधित पक्षों से एमएसएमई क्षेत्र को देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक गतिशील विकास इंजन बनाने को लेकर रूपरेखा तैयार करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि एमएसएमई को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिये अधिक शोध और नवोन्मेष तथा नये व्यावसायिक विचारों की जरूरत है।

मंत्री ने कहा कि ईडीआईआई जैसे संस्थान एमएसएमई को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में मदद कर सकते हैं।

राणे ने एमएसएमई को भारत की अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बताया और देश की जीडीपी वृद्धि और रोजगार में इस क्षेत्र के योगदान का जिक्र किया।

उन्होंने कहा, ‘‘यह (एमएसएमई क्षेत्र) ग्रामीण औद्योगिकीकरण के लिहाज से महत्वपूर्ण है...।’’